14/05/2020

Subject - Pedagogy of Commerce B.Ed. Ist

Topic - Aims of Teaching of Commerce

Meaning of Aims

उद्देश्य का शाब्दिक अर्थ सन्धि - विच्छेद करने पर उत् + दिश + य होता है। इसमें 'उत्' से अभिप्राय 'ऊपर की ओर' तथा 'दिश' से अभिप्राय 'दिशा स्पष्ट करने' से है। इस प्रकार उद्देश्य गन्तव्य तक पहुँचने की दिशा बतलाते हैं व जिन्हें भावी जीवन के लिए निर्धारित किया जाता है।

According to Carter V. Good -

"Aims is a foreseen and that gives direction to an activity"

(Meaning of Objectives)

"An objective is a point or End in view of something towards which action is directed, a planned for charge Sought through any activity what we Set out to day." - NCERT

कार्टर वुड के अनुसार - "प्राप्य उद्देश्य छात्र के व्यवहार में वह इच्छित परिवर्तन है जो विद्यालय द्वारा पठ - प्रदर्शित अनुभव का परिणाम होता है।"

Scanned with CamScanner

Difference between Aim and objective

	Aims (उद्देश्य)	Objective (प्राप्य उद्देश्य)
1.	उद्देश्य अनिश्चित एवं अस्पष्ट होते है।	प्राप्य उद्देश्य। निश्चित एवं स्पष्ट होते है
2.	उद्देश्य दीर्घगामी होते है, जो व्यक्ति को उच्चता की ओर अग्रसारित करते है।	प्राप्य उद्देश्य अल्पगामी होते है।
3.	उद्देश्य व्यक्तिनिष्ठ होते है।	प्राप्य उद्देश्य वस्तुनिष्ठ
4.	उद्देश्य अप्रत्यक्ष होते है।	प्राप्य उद्देश्य प्रत्यक्ष होते है।
5.	उद्देश्य औपचारिक होते है।	प्राप्य उद्देश्य कार्यपरक होते है।
6.	यह सीखने वाले को स्पष्ट निर्देश नहीं देता	यह सीखने वाले का स्पष्ट निर्देशक है।
7.	उद्देश्य एक सामान्य कथन है।	प्राप्य उद्देश्य एक निश्चित कथन है।
8.	उद्देश्य व्यापक होते है।	प्राप्य उद्देश्य विशिष्ट होते है।
9.	उद्देश्य प्राप्त करने के लिए लम्बी अवधि की आवश्यकता होती है।	प्राप्य उद्देश्य को कम अवधि मे प्राप्त किया जा सकता है।
10.	उद्देश्य आदर्शवादी होते है अतः पूर्ण रूप से इनकी प्राप्ति सम्भव नही है।	प्राप्य उद्देश्य का आधार मनोविज्ञान होता है व्यवहारिकता के कारण इनकी प्राप्ति सम्भव है।
11.	प्राप्य उद्देश्य उद्देश्य मे ही निहित है, अतः इनकी प्राप्ति का दायित्व मात्र शिक्षक पर ही होता है।	उद्देश्य की प्राप्ति के लिए सम्पूर्ण विश्व, समाज एवं राष्ट्र उत्तरदायी होते है।
12.	Ex विद्यार्थियों मे व्यवसायिक कुशलता, रुचियों, क्षमताओं तथा निपुणता के गुणों को उत्पन्न करना।	ex → छात्रों मे चिन्तन, कुशलता, क्षमता का विकास, आर्थिक वातावरण मे व्यापारिक सम्बन्धों मे दृढ़ता लाना

Continue - - -

Scanned with CamScanner